

उत्तराखण्ड शासन
कार्मिक अनुभाग-2
संख्या 385/XXX(2)/2011
देहरादून: दिनांक: 18 मार्च, 2011

अधिसूचना संख्या 385/XXX(2)/11-55(46)/2004 द्वारा "अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की परिधि में सामाजिक रूप से उन्नत व्यक्तियों/वर्गों को बाहर रखने के लिए आय के मानदण्डों में संशोधन" की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. सचिव श्रीराज्यपाल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
5. सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड।
6. सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड, हरिद्वार।
7. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
8. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रुड़की (हरिद्वार) को अधिसूचना की हिन्दी, अंग्रेजी प्रतियों को संलग्न करते हुए इस निवेदन के साथ प्रेषित कि कृपया अधिसूचना को असाधारण गजट विधायी परिशिष्ट भाग-4 में मुद्रित करा कर इसकी 200 प्रतियाँ कार्मिक अनुभाग-2 को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्न: यथोक्त

आज्ञा से,
(अरविन्द सिंह ह्यांकी)
अपर सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
कार्मिक अनुभाग-2
संख्या 385/XXX(2)/11-55(46)/2004
देहरादून: दिनांक: 18 मार्च, 2011

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 (उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 3 की उपधारा (1) के परन्तुक सपठित धारा 13 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, उक्त अधिनियम की अनुसूची-दो (छ:) को स्तम्भ-1 के स्थान पर स्तम्भ-2 के अनुसार निम्नवत संशोधित करते हैं:-

स्तम्भ-1 (वर्तमान उपबन्ध)	स्तम्भ-2 (प्रतिस्थापित उपबन्ध)
(छ:) आय या सम्पत्ति मानदण्ड	(छ:) आय या सम्पत्ति मानदण्ड
(क) उन व्यक्तियों के पुत्र और पुत्रियाँ, जिनकी लगातार तीन वर्षों में कुल वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये अथवा उससे अधिक है अथवा जो सम्पत्ति कर अधिनियम में यथा निर्धारित छूट की सीमा से अधिक सम्पत्ति रखते हैं।	(क) उन व्यक्तियों के पुत्र और पुत्रियाँ, जिनकी लगातार तीन वर्षों तक की कुल वार्षिक आय 4.50 लाख रुपये अथवा उससे अधिक है अथवा सम्पत्ति कर अधिनियम में यथा निर्धारित छूट की सीमा से अधिक सम्पत्ति रखते हैं।
(ख) श्रेणी I, II, III और V(क) में आने वाले ऐसे व्यक्तियों के पुत्र और पुत्रियाँ जो आरक्षण का लाभ पाने के हकदार हैं, परन्तु जो अन्य स्रोतों से आय अथवा सम्पत्ति रखने के कारण उपर्युक्त (क) में उल्लिखित आय/सम्पत्ति के मानदण्ड के अन्तर्गत आते हैं। स्पष्टीकरण-वेतन अथवा कृषि भूमि से प्राप्त आय को नहीं जोड़ा जायेगा।	(ख) श्रेणी एक, दो, तीन और पाँच (क) में आने वाले ऐसे व्यक्ति जो आरक्षण का लाभ पाने के हकदार हैं, परन्तु जिनकी अन्य स्रोतों से आय अथवा सम्पत्ति जो उन्हें उपर्युक्त (क) में उल्लिखित आय/सम्पत्ति के मानदण्ड के भीतर लायेगी, के पुत्र और पुत्रियाँ। स्पष्टीकरण-वेतन अथवा कृषि भूमि से प्राप्त आय को नहीं जोड़ा जायेगा।

आज्ञा से

(उत्पल कुमार सिंह)
प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the "Constitution of India," the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 385/XXX(2)/11-55(46)/2004 Dated 18 March, 2011 for general information.

Government of Uttarakhand
Personnel Section-2
No. 385 /XXX(2)11-55(46)/2004
Dated: Dehradun: 18 March, 2011

Notification

In exercise of the powers conferred by the proviso to sub section (3) read with section 13 of the Uttar Pradesh Public Service (Scheduled Caste, Schedule Tribe and Other Backward Class Reservation) Act, 1994 (as applicable to the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to amend Schedule-2 (VI) set out in column- 1 below as set out in column-2 as follows namely:-

Column-1 (Existing provision)	Column-2 (Substituted provision)
(VI) Income or Wealth Criteria	(VI) Income or Wealth Criteria
<p>Son(s) and daughter(s) of</p> <p>(a) persons having gross annual income of Rs. 2.50 lack or above or possessing wealth above the exemption limit as prescribed in the Wealth Tax Act for period of three consecutive years.</p> <p>(b) Persons in categories I,II,III and V(A) who are not disentitled to the benefit of reservation but have income from other sources of wealth which will bring them within the income/wealth criteria mentioned in (a) above.</p> <p>Explanation:- Income from salaries or agricultural land shall not be clubbed.</p>	<p>Son(s) and daughter(s) of</p> <p>(a) persons having gross annual income of Rs.4.50 lack or above or possessing wealth above the exemption limit as prescribed in the Wealth Tax Act for period of three consecutive years.</p> <p>(b) Persons in categories I,II,III and V(A) who are not disentitled to the benefit of reservation but have income from other sources of wealth which will bring them within the income/wealth criteria mentioned in (a) above.</p> <p>Explanation:- Income from salaries or agricultural land shall not be clubbed.</p>

By order,

(Utpal Kumar Singh)
Principal Secretary.